International Journal of Hindi Research
www.hindijournal.com
ISSN: 2455-2232
Received: 17-09-2024, Accepted: 18-10-2024, Published: 02-11-2024
Volume 10, Issue 4, 2024, Page No. 18-20

स्कूलों में संगीत शिक्षा का महत्व – रचनात्मक कौशल विकास

कमलसिंह वी. जाडेजा
शोधार्थी, संगीत विभाग, धि महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ़ वड़ोदरा, वड़ोदरा, गुजरात, भारत

सारांश
संगीत के अध्ययन से छात्रों को कई अतिरिक्त संज्ञानात्मक और सामाजिक लाभ मिल सकते हैं। संगीत शिक्षा उत्तम नागरिक अर्थात सुसंस्कृत व्यक्ति निर्माण में सहायक मानी जाती रही है। विद्यालयों में संगीत, एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है, क्योंकि यह मस्तिष्क के बेहतर विकास की ओर ले जाता है, मानवीय संबंध बढ़ाता है, शैक्षिक प्रक्रिया में सुधार करता है। यहां तक कि तनाव के स्तर को भी कम करता है। यह बच्चे के शैक्षणिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है, उन्हें सामाजिक कौशल विकसित करने में मदद करता है और बच्चे के विकास के लिए आवश्यक रचनात्मकता का अवसर प्रदान करता है।

मूल शब्दः संगीत शिक्षा, स्कूलों में संगीत शिक्षा, स्कूल में दिलचस्पी, कलात्मक शिक्षा

गीत, वाद्य और नृत्य यह तीनों ही संगीत कहलाते हैं। जिस बच्चे को अभी विषय का ज्ञान प्राप्त नहीं हुआ और जो केवल पालने में सोना जानता है, वो भी गीत के अमृत को प्राप्त करके अपना रुदन समाप्त कर देता है और प्रफुल्लित हो जाता है। (28, संगीत रत्नाकर: शाङ्गदेव रचित)

संगीत प्राचीन काल से ही समुदायों और सभ्यताओं का अभिन्न अंग रहा है। सभी स्तुतियाँ, चाहे भगवान की हों या प्रकृति की या मानवता की, संगीतमय रूप से लिखी गई हैं जिससे पता चलता है कि संगीत को कितना महत्व दिया गया है।

बच्चे स्वाभाविक रूप से संगीत पसंद करते हैं! बच्चे इसे शारीरिक और भावनात्मक दोनों तरह से महसूस करते हैं। शिक्षकों और न्यूरोफिज़ियोलॉजिस्ट द्वारा किए गए कई अध्ययनों से पता चला है कि संगीत का मनुष्यों के संज्ञानात्मक और मनोवैज्ञानिक विकास पर विशेष रूप से बच्चों में महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

निस्संदेह, संगीत एक आवश्यक विषय है जिसे पूरी तरह से पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। हालाँकि, कई स्कूल प्रणालियों में संगीत कम उपलब्ध है और अन्य विषयों के लिए जगह बनाने के लिए इसे छोड़ दिया गया है।

स्कूलों में संगीत शिक्षा के लाभ

भारत में संगीत शिक्षा के पहलू पर विचार करते समय एक तथ्य सामने आता है कि यहाँ धर्म, अध्यात्म, भक्ति तथा अन्य प्रकार की उपदेशात्मक शिक्षा या प्रेरणा संगीत से दी जाती रही है। भारत में सामूहिक शिक्षा प्रारंभ होने से पूर्व प्रत्येक स्थान पर गुरु –शिष्य परंपरा ही थी। मध्य काल में संगीत यद्यपि शिक्षा के क्षेत्र में सहायक रूप में इतना प्रचलित नहीं था, तथापि संगीत को मनोरंजन का साधन मानकर तथा उसका केवल कलात्मक रूप मानकर उसे पारंपरिक रूप से प्रवाहित करने के लिए संगीत की शिक्षा को विशेष महत्व प्राप्त हुआ।

बौद्धिक शक्ति, स्मरण शक्ति में सुधार

संगीत बच्चों में मस्तिष्क के विकास को उत्तेजित करता है।

कुछ गानों के बोल बिना किसी वजह के हमारे दिमाग में अटक जाते हैं और हम उन्हें कभी–कभी कई घंटों नहीं बल्कि कई दिनों तक गुनगुनाते रहते हैं। असल में अच्छे संगीत की एक अलग विशेषता होती है, ये आपने भी अनुभव किया होगा कि जब इसकी धुन हमारे सिर में घुसती है तो बार–बार, बिना किसी अंत के बजती रहती है।

हम सभी का कोई एक पसंदीदा गाना होता है जिसे हम याद रखते हैं और कुछ गाने या धुन ऐसे होते हैं जो बहुत लंबे समय तक दिमाग में रहते हैं और हम अक्सर गाने से जुड़ी स्थिति को याद करते हैं। इससे पता चलता है कि संगीत कितना शक्तिशाली है जो हमारी याददाश्त को बढ़ा रहा है। संगीत बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सूचना प्रतिधारण को बढ़ाने में मदद करता है। संगीत छात्रों को उनकी याददाश्त में सुधार करने और ज्ञान को बनाए रखने में मदद करता है।

कई अध्ययनों में पाया गया है कि संगीत के साथ जुड़ाव से बच्चों के मस्तिष्क के विकास में अविश्वसनीय सुधार हो सकता है। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के अध्ययन के अनुसार, केवल संगीत सुनने वाले छात्रों की तुलना में संगीत वाद्ययंत्र बजाने वाले छात्रों में बेहतर तंत्रिका प्रसंस्करण देखा गया। यह अध्ययन अन्य विषयों पर काम करते समय केवल पृष्ठभूमि संगीत चालू करने के बजाय संगीत शिक्षा प्राप्त करने के महत्व को दर्शाता है। मोजार्ट इफेक्ट एक सिद्धांत है जो कहता है कि जो बच्चे कुछ प्रकार के संगीत (विशेष रूप से शास्त्रीय) सुनते हैं, वे तेजतर्रार होंगे।

एकरसता तोड़ता है

संगीत की शिक्षा विस्तारित कक्षाओं की एकरसता को तोड़ने के लिए उपयुक्त हैं। यह छात्रों को विराम करने और उनकी कक्षाओं से छुट्टी पाने में मदद करता है। कक्षा की एकरसता से विराम प्रदान करती है। संगीत ऐसी गतिविधि है जो बच्चों को मनोरंजन या आनंद के लिए संलग्न करती है। संगीत जैसा मनोरंजक विषय बच्चों को स्कूल में दिलचस्पी और व्यस्त रख सकता है।

बच्चों में मस्तिष्क के विकास को उत्तेजित करता है

कलात्मक शिक्षा से सम्पूर्ण मस्तिष्क का विकास होता है और बालक की कल्पनाशक्ति का विकास होता है। कई अध्ययनों में पाया गया है कि संगीत के साथ जुड़ाव से बच्चों के मस्तिष्क के विकास में अविश्वसनीय सुधार हो सकता है। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के अध्ययन के अनुसार, केवल संगीत सुनने वाले छात्रों की तुलना में संगीत वाद्ययंत्र बजाने वाले छात्रों में बेहतर तंत्रिका प्रसंस्करण देखा गया। यह अध्ययन अन्य विषयों पर काम

करते समय केवल पृष्ठभूमि संगीत चालू करने के बजाय संगीत शिक्षा प्राप्त करने के महत्व को दर्शाता है।
अध्ययन में पाया गया कि संगीत से जुड़े बच्चों में IQ अंक में वृद्धि हुई है। इसी समय, बिना संगीत के छात्रों के आईक्यू सबटेस्ट, इंडेक्स स्कोर और अकादमिक सफलता के मानकीकृत माप में बहुत कम या कोई सुधार नहीं था।

भाषा के विकास को तेज करता है
स्कूली संगीत की कक्षाएं भाषा के विकास को सुधारने और प्रोत्साहित करने में मदद करती हैं क्योंकि संगीत हमारे दैनिक भाषण और बातचीत से निकटता से जुड़ा हुआ है। भाषा और सीखने का समर्थन करने वाले मस्तिष्क का हिस्सा भी संगीत का समर्थन करता है।

तनाव दूर करने में मदद करता है
ऐसे समय होते हैं जब छात्रों के कई कारकों के कारण तनावग्रस्त और थके होने की संभावना होती है, उदाहरण के लिए, छात्रों के बीच कक्षा में टॉपर बनने की होड़, ग्रेड में उतार–चढ़ाव या परीक्षा की तैयारी आदि के कारण। यह भावनात्मक और शारीरिक दोनों तरह से थकाने वाला हो सकता है। लेकिन, संगीत की कक्षाएं लेने से उन्हें तनाव और अवसाद को कम करने में मदद मिल सकती है, इस प्रकार शारीरिक स्वास्थ्य के मुद्दों को रोका जा सकता है। यह धड़कनों के साथ तालमेल बिठाकर तनाव दूर करने में उत्कृष्ट है।
कई अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि संगीत बर्नआउट को कम कर सकता है और मूड की स्थिति में सुधार कर सकता है। संगीत समय–प्रबंधन और अनुशासन सिखाता है।

बेहतर समस्या समाधान में मदद करता है
संगीत और गणित साथ–साथ चलते हैं। संगीत शिक्षा संज्ञानात्मक क्षमताओं को विकसित करने में मदद करती है और जो छात्र संगीत में अच्छे हैं वे गणितीय समस्याओं को हल करने में अच्छे होते हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि मस्तिष्क का वह हिस्सा जो संगीत को उत्तेजित करता है, समस्या–समाधान और समाधान पर काम करने के लिए भी जिम्मेदार होता है। रचनात्मक सोच को बढ़ावा देता है।

समझ कौशल में सुधार करता है
संगीत को पाठ्यक्रम में शामिल करना भी बच्चों में पढ़ने की समझ की क्षमताओं को बढ़ाने का एक शानदार तरीका है। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जिन छात्रों ने संगीत कक्षाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया, उनमें शामिल नहीं होने वालों की तुलना में बेहतर भाषण प्रसंस्करण क्षमता और उच्च पढ़ने के अंक थे। छात्रों के पास उत्कृष्ट पढ़ने की क्षमता होनी चाहिए क्योंकि लगभग हर विषय के लिए इसकी आवश्यकता होती है।

टीम वर्क और नेतृत्व कौशल विकसित करता है
जब छात्र स्कूलों में संगीत सीखते हैं, तो उन्हें समूहों में काम करना पड़ता है – या तो अन्य छात्रों या शिक्षकों के साथ। यह सामाजिक संबंधों को सीखने का एक प्रभावी तरीका है और उन्हें टीम वर्क सिखाता है। छात्र जो एक टीम में या एक बैंड के हिस्से के रूप में काम करते हैं – अभ्यास के साथ–साथ प्रदर्शन के दौरान भी। यहां सीखे गए जीवन के सबक टीम वर्क और समन्वय हैं।
विद्यालयों में संगीत की कक्षाएं नेतृत्व के गुणों को सीखने का एक प्रभावी तरीका है। एक छात्र की कल्पना करें जिसे प्रमुख गायक के रूप में गाने के लिए कहा गया है या छात्रों की टीम का नेतृत्व करने के लिए कहा गया है जो नेतृत्व कौशल सीखता है। वे आत्मविश्वास हासिल करते हैं या एक टीम का नेतृत्व करते हैं या लोगों के साथ समन्वय करते हैं।

बच्चों के लिए संगीत गतिविधियाँ
1. तबला और ढोल बजाना
तबला बजाना बच्चों के लिए सबसे अच्छी संगीत गतिविधियों में से एक है और इसे 5 साल की उम्र के बच्चों द्वारा किया जा सकता है। यह उनके कौशल को विकसित करने, एकाग्रता बढ़ाने, आत्म–अभिव्यक्ति में मदद करने और उन्हें लय के बारे में सिखाने में मदद करता है।

2. नृत्य
बच्चों के लिए एक और लोकप्रिय संगीत गतिविधि, जो ताल, गति और समन्वय का पालन करने की क्षमता को बढ़ाती है। यह रचनात्मक आंदोलनों और गतिविधियों के माध्यम से आत्म–अभिव्यक्ति बनाने में भी मदद करता है।

3. गायन
गायन बच्चों के लिए रचनात्मक रूप से खुद को अभिव्यक्त करने का तरीका सीखने का एक शानदार तरीका है। गायन प्रदर्शन उन्हें आत्मविश्वास हासिल करने में मदद करते हैं और वे उन्हें टोन, पिच और लय के बारे में भी सिखा सकते हैं।

4. वाद्ययंत्र बजाना
संगीत वाद्ययंत्र बजाना सीखने से बच्चों को समन्वय, एकाग्रता और सुनने के कौशल विकसित करने में मदद मिल सकती है। यह खुद को रचनात्मक रूप से अभिव्यक्त करने का एक शानदार तरीका भी है। संगीत वाद्ययंत्र बजाने वाले छात्र गर्व और आत्मविश्वास का निर्माण कर सकते हैं।

निष्कर्ष
यह देखा गया है कि संगीत आसानी से उपलब्ध, सस्ता और मनोरंजक है। हर कोई संगीत का आनंद लेता है, चाहे इसे सुनकर, गाकर या कोई वाद्य यंत्र बजाकर। इसके छात्रों के लिए मानसिक और चिकित्सीय लाभ भी हैं। संगीत में छोटे से छोटे लक्ष्य में भी महारत हासिल करने वाले छात्र अपनी उपलब्धि पर गर्व महसूस कर सकेंगे। संगीत जैसा मनोरंजक विषय बच्चों को स्कूल में दिलचस्पी और व्यस्त रख सकता है। संगीत शिक्षा समस्या को सुलझाने के कौशल को बढ़ाता है। "हम संगीत को उतना ही महत्व देते हैं जितना हम शिक्षाविदों को देते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारा मानना है कि संगीत में हमारे छात्रों को अच्छे इंसान में बदलने और दुनिया को बदलने की ताकत है।" (संदर्भ: ऑर्किड द इंटरनेशनल स्कूल)
संगीत शिक्षा समय–प्रबंधन और अनुशासन सिखाता है। संगीत आत्मविश्वास का एक उत्कृष्ट स्रोत है और उपलब्धि की भावना लाता है। संगीत बच्चे को चुनौतियों और बहु–संवेदी अनुभवों से अवगत करा सकता है जो सीखने की क्षमता को बढ़ाते हैं और संज्ञानात्मक विकास को प्रोत्साहित करते हैं।
नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में भी सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में संगीत, कला और साहित्य विषयों को शामिल करने की सिफारिश की गई है।

संदर्भ सूची
1. National Association for Music Education, 1806 Robert Fulton Dr Reston, VA 20191.

2. National Library of Medicine, 8600 Rockville Pike Front Psychol. 2017 PMCID: PMC5626863.
3. Child Development and Family Center, The Importance of Music and Movement by April Kaiser.
4. संगीत रत्नाकर: शाङ्गदेव द्वारा रचित,
5. भारतीय संगीत शिक्षा तब और अब : डॉ. स्मिता सहस्त्रबुद्ध
6. https://www.bbc.com/hindi/science/2012/03/120307_music_earworm_sa